राहु ग्रह के लिए मंत्र

निम्नलिखित राहु ग्रह के मंत्रों में से किसी भी एक मंत्र का जप श्रद्धा और विश्वास से किसी शुभ मुहूर्त या शुक्लपक्षीय शनिवार के दिन रात्रि से आरम्भ करना चाहिये। राहु ग्रह के मंत्र का जप अपने सामर्थ्यानुसार, माला से, पश्चिम दक्षिण दिशा की ओर मुख करके करें। यदि सम्भव हो तो तेल का दीपक जलाकर प्रतिदिन या शनिवार और बुधवार को अवश्य करना चाहिये। राहु ग्रह के मंत्र जप के पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए राहु ग्रह के वैदिक मंत्र या पौराणिक मंत्र का जप करना या करवाना चाहिये, और अंत में दशमांश संख्या का हवन भी दूर्वा (दूब) या आम की समिधा से करना चाहिये।

वैदिक मंत्र

ऊँ कया नश्चित्र आ भुवदूती सदा वृधः सखा। कया शचिष्ठया वृता।।

पौराणिक मंत्र

ऊँ अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम्।

सिंहिकागर्भसंभूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।

ध्यान मंत्र

करालवदनः खड्गचर्मशूली वरप्रदः।

नीलसिंहासनस्थश्च राहुरत्र प्रशस्यतेः।।

राहु ग्रह के लिए गायत्री मंत्र

ऊँ शिरोरूपाय विद्महे

पद्महस्ताय धीमहि।

तन्नोः राहुः प्रचोदयात्।।

बीज मंत्र

ऊँ भ्रां भ्रीं भौं सः राहवे नमः।

तांत्रोक्त मंत्र

ऊँ ऐं ह्रीं राहवे नमः।

ऊँ ह्रीं ह्रीं राहवे नमः।

सामान्य मंत्र

ऊँ रां राहवे नमः।

श्री बाल-कृष्ण शरणं ममः।

उपरोक्त किन्हीं एक या अधिक मंत्रों का जप श्रद्धा और विश्वास से रात्रि के समय करना चाहिये।